बी.ए. संस्कृत आनर्स विथ रिसर्च (विद्यालंकार)
द्वितीय सत्र

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृतपद्य काव्य**	**पूर्णाङ्क -100**
HSA-C222	**Sanskrit Poetry**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को शास्त्रीय संस्कृत पद्य की जानकारी देना है। इसका मन्तव्य साहित्य की ऐसी समझ प्रदान करना है, जिससे कि विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के विकास को समझ सकेंगे। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र भाषा का प्रयोग सम्यक् रूप से करने में समर्थ हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।
CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।
CO3 इसके अध्ययन से छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **रघुवंशमहाकाव्यम्** (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-30)
1. कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय
2. प्रथम सर्ग- विषयवस्तु, श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या, चरित्र-चित्रण

Unit-II **किरातार्जुनीयमहाकाव्यम्** (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-30)
1. कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय
2. प्रथम सर्ग की विषयवस्तु, श्लोकों का अर्थ एवं अनुवाद, व्याख्या, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता ।

Unit-III **कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग 1-30 श्लोक)**
1 कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय
2 कुमारसम्भवम् की विषयवस्तु, श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता।

Unit-IV **संस्कृत महाकाव्यों का परिचय**

1. महाकाव्य का लक्षण (साहित्यदर्पण के अनुसार)।
2. महाकाव्यों की उत्पत्ति और विकास- अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, भट्टि तथा श्रीहर्ष के विशेष सन्दर्भ में।

संस्तुत ग्रन्थ

1.कृष्णमणि त्रिपाठी, रघुवंशम्(मल्लिनाथकृत सञ्जीवनीटीका), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. नेमिचन्द्र शास्त्री, कुमारसम्भवम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. जनार्दन शास्त्री, भारवि कृत किरातार्जुनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।